

१.५



नूतन वर्ष प्रेमोपहार



: शुभेच्छक :

गोविन्दराम सदोरोमल
प्रधान

कमलेशकुमार शास्त्री
व्यवस्थापक

जवाहरभाई
मन्त्री

आर्यसमाज, अंबालाल कोम्पलेक्ष, सोमेश्वर पार्क - ३
के सामने, थलतेज, अहमदाबाद - ३८० ०५४
फोन : २७४ ६२ ४०२

नाम : _____

पता : _____

टे.नं. (O) : _____ (R) : _____

मोबाईल नं. : _____

ड्राईवींग लाईसन्स नं. : _____

वीमा पोलीसी नं. : _____

ब्लड ग्रुप : _____

अकरमात समय में संपर्क के लिए

टे. नं.

टे. नं.

महामृत्युंजय मन्त्रः

ओं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।

ऊर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ॥

ऋग-(७/५९/१२)

हम परम यशस्वी सुमार्ग के प्रेरक, आत्मा व शरीर का बल बढ़ानेवाले, स्वाभाविकी “ज्ञान-बल-क्रिया” तीन के प्रकाशक रुद्ररूप जगदीश्वर की पूजा स्तुति - प्रार्थना - उपासना करते हैं । उसके रक्षण - पोषण से = कृपा से, लता - बन्धन से परिपक्व खरबूजे के समय पर छूटने की तरह ही हम (समय पर ही) मृत्यु-बन्धन से मुक्त हों । परंतु अमृत अर्थात् पूर्णायु से न छूटें ।

यज्ञ-सुख

ईजानाः स्वर्गं यन्ति लोकम् ।

(अथर्ववेद १८/४/२)

यज्ञ करनेवाले स्वर्ग को जाते हैं एवं जीवन में सुख-शान्ति और आनन्द पाते हैं ।

मनुष्य को यह शरीर यज्ञ = अग्निहोत्र, शुभ कर्म तथा परोपकार करने के लिए मिला है । अग्निहोत्र करो, इससे प्रदूषण दूर होकर उत्तम वृष्टि होगी, उत्तम वृष्टि से उत्तम अन्न प्राप्त होगा, उत्तम अन्न के सेवन से शरीर हृष्ट-पुष्ट और स्वस्थ बनेगा, स्वस्थ शरीर से सुख, शान्ति और आनन्द की प्राप्ति होगी ।

यज्ञ - शुभ कर्म और परोपकार से आत्मा अलौकिक आनन्द से झुम उठता है ।

गायत्री - महामन्त्र

ओ३म् भूर्भुवः स्वः । तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि । धियो यो नः
प्रचोदयात् ॥ (यजु. ३६/३)

हे सत् चित् आनन्द स्वरूप ! आप ही जगत् जीवन के आधार हो, प्राणों से भी प्रिय हो, समस्त दुःखों से छुड़ानेवाले हो, सुख स्वरूप हो, सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के स्वयिता, पालनकर्ता व प्रलयकर्ता भी आप ही है । हम सभी आप की ही कामना करते हैं । आप के ही शुद्ध व पवित्र स्वरूप को हम हृदय में धारण करें । आप हमारी बुद्धिओं को श्रेष्ठ गुण, कर्म, स्वभावों में प्रेरित करें ।

O God, the Giver of Life, Remover of pains and sorrows, Bestower of happiness and Creator of the universe. Thou art most luminous, pure and adorable. We meditate on Thee. May Thou inspire and guide our intellect in the right direction.

दयानन्दाब्द - १८२

NOVEMBER-2005

कार्तिक / मार्गशीर्ष-२०६२

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक्र शनि

कार्तिक सुदि
प्रतिपदा

2

नूतनवर्ष / अन्नकूट
गोवर्धन पुजा

भाईदूज

3

तृतीया

4

रमजान
ईद

चतुर्थी

5

लामपंचमी

6

षष्ठी

7

सप्तमी

8

संत जलाराम
जयंति

अष्टमी

9

नवमी

10

दशमी

11

चातुर्मास
पूर्ण

देवप्रबोधिनी

12

एकादशी

द्वादशी

13

त्रयोदशी

14

बालदिन (नेहरू
जयंति)

चतुर्दशी/पूर्णिमा

15

गुरुनानक जयंति
देवदिपावली

मार्गशीर्ष वदि

16

प्रतिपदा

द्वितीया

17

ताता लाजपतराय
पुण्यतिथी

तृतीया

18

चतुर्थी

19

चतुर्थी

20

पंचमी

21

षष्ठी

22

सप्तमी

23

अष्टमी

24

नवमी

25

दशमी

26

अष्टमि एकादशी

27

द्वादशी

28

त्रयोदशी

29

चतुर्दशी

30

दयानन्दाब्द - १८२

DECEMBER-2005

मार्गशीर्ष/पौष-२०६२

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
				अमावस 1	मार्गशीर्ष सुदि प्रतिपदा 2	द्वितीया 3
तृतीया 4	चतुर्थी 5	पंचमी 6 गुरु तेगवहादुर शहीद दिन	सूर्य सप्तमी 7 (चम्पा छठ)	अष्टमी 8	नवमी 9	दशमी 10
एकादशी 11	द्वादशी 12	त्रयोदशी 13	चतुर्दशी 14	पूर्णिमा 15 दत्तात्रेय जयंति	पौष वदि प्रतिपदा 16	द्वितीया 17
तृतीया 18	चतुर्थी 19	पंचमी 20	षष्ठी 21 असयनपक्षारंभ शिशिर ऋतुआरंभ	षष्ठी 22	सप्तमी 23 श्रद्धानंद बलिदान दिन	अष्टमी 24
नवमी 25 नवरात / क्रियमह दे	दशमी 26	सफला एकादशी 27	द्वादशी 28	त्रयोदशी 29	चतुर्दशी 30	अमावस 31

Digitized by eGangotri
दयानन्दविद्यालय - १९६२

Digitized by eGangotri
Bharatiya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पौष/माघ - २०६२

JANUARY-2006

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
पौष सुदि द्वितीया 1 छिस्ती नवनवर्षारंभ	तृतीया 2	अंगारुकी चोध 3	पंचमी 4	षष्ठी 5	सप्तमी 6 गुरुगोविंदसिंह जयंति	अष्टमी 7 शाकंभरी देवी नवरात्रि आरंभ
नवमी 8	दशमी 9	पुनवा एकादशी 10	द्वादशी 11 चक्री ईद	त्रयोदशी 12	चतुर्दशी 13 (लोहड़ी)	शाकंभरी पूर्णिमा 14 मकरसंक्रांति
माघ वदि प्रतिपदा 15 पुष्य नक्षत्र	द्वितीया 16	तृतीया 17	चतुर्थी 18	पंचमी 19	षष्ठी 20	सप्तमी 21 स्वामी विवेकानंद जयंति
सप्तमी 22 समानंदाचार्य जयंति	अष्टमी 23 नेताजी जयंति	नवमी 24	दशमी 25	षट्तिता एकादशी 26 प्रजासत्ताक दिन	त्रयोदशी 27	चतुर्दशी 28 लाजपतराय जयंति
अमावस 29	माघ सुदि प्रतिपदा 30 गांधी निर्वाण दिन	31				

दयानन्दविद् - १९२२

Digitized by Ananya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

FEBRUARY-2006

माघ/फाल्गुन-२०६२

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
			तृतीया 1 गौरीतृतीयाव्रत तिलचतुर्थीव्रत	वसंतपंचमी 2	षष्ठी 3	भानु सप्तमी 4
भीमाष्टमी 5	नवमी 6	दशमी 7	जया एकादशी 8	द्वादशी 9 मोहरम	त्रयोदशी 10 विश्वकर्मा जयंति	चतुर्दशी 11
चतुर्दशी 12	पूर्णिमा 13 माघस्नानपूर्णा गुरुविदास जयंति	फाल्गुन वदि 14 प्रतिपदा	द्वितीया 15	तृतीया 16	चतुर्थी 17	पंचमी 18 वसंतऋतु आरम
षष्ठी 19 छत्रपति शिवाजी जयंति	सप्तमी 20	अष्टमी 21 जानकीजी जयंति	नवमी 22	दशमी 23 स्वामी दयानन्द सरस्वती जयंति	विजया एकादशी 24	द्वादशी 25
त्रयोदशी 26 महाशिवरात्री ऋषिबोधोत्सव	चतुर्दशी 27 सोमवती अमास	फाल्गुन सुदि 28 प्रतिपदा				

दयानन्दाब्द - १८२/१८३

MARCH-2006

फाल्गुन/चैत्र-२०६२-६३

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
			द्वितीया १ शमकृष्ण परमहंस जयंति	तृतीया २ लंछनराम तृतीया	चतुर्थी ३	पंचमी ४
षष्ठी ५	सप्तमी ६ होलाष्टकारंभ	अष्टमी ७	नवमी ८	दशमी ९	आमलकी १० एकादशी	द्वादशी ११
त्रयोदशी १२	चतुर्दशी १३	पूर्णिमा १४ होली (चंद्रग्रहण)	चैत्र वदि प्रतिपदा १५ धूलैटी	प्रतिपदा १६ संत तुकाराम जयति	द्वितीया १७	तृतीया १८ शिवाजी जयति (ति.मु.)
चतुर्थी १९	रंगपंचमी २०	षष्ठी २१	भास्वाडी सातम २२	अष्टमी २३	नवमी २४	दशमी २५
द्वादशी २६	त्रयोदशी २७	चतुर्दशी २८	अमावस २९ (सूर्यग्रहण)	चैत्र सुदि प्रतिपदा ३० चेटीचांद गुडीपडवो	द्वितीया ३१ गौरी तीज आर्य समाज स्थापना दिन	

दयानन्दाब्द - १८३

चैत्र/वैशाख - २०६३

APRIL - 2006

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
अक्षय तृतीया 30 पुस्तुरम जयंति						तृतीया 1 गनगौर व्रत
श्री पंचमी 2	षष्ठी 3	सप्तमी 4	अष्टमी 5	नवमी 6 (पुष्य नक्षत्र)	नवमी 7	धर्मराज दशमी 8
कामदा एकादशी 9	द्वादशी 10	त्रयोदशी 11 महावीर जयंति ईद-मिलाद	चतुर्दशी 12	पूर्णिमा 13 (वैशाखी) श्रीहनुमानजयंति	वैशाख वदि प्रतिपदा 14 डॉ. आंबेडकर जयंति	द्वितीया 15
तृतीया 16 ईस्टर सन्डे	चतुर्थी 17 छत्रपति शिवाजी (पुष्य तिथी)	पंचमी 18	षष्ठी 19	सप्तमी 20 ग्रीष्मऋतु आरंभ	अष्टमी 21	नवमी 22
दशमी 23	एकादशी 24	द्वादशी 25	त्रयोदशी 26	अमावस 27	वैशाख सुदि 28 प्रतिपदा	द्वितीया 29

दयानन्दबिन्द - १८३३

वैशाख/ज्येष्ठ - २०६३

MAY - 2006

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	चतुर्थी 1	पंचमी 2 जगद्गुरु संकराचार्य जयंति	षष्ठी 3	सप्तमी 4 गंगा जयंति	अष्टमी 5	नवमी 6 सीता नवमी
दशमी 7	एकादशी 8	मोहिनी एकादशी 9	द्वादशी 10	त्रयोदशी 11	चतुर्दशी 12	पूर्णिमा 13 कुट्ट जयंति
जेष्ठ सुदि प्रतिपदा 14 नारद जयंति	द्वितीया 15	तृतीया 16	अंगास्की चोथ 17	पंचमी 18	सप्तमी 19	अष्टमी 20
नवमी 21	दशमी 22	अपरा एकादशी 23	द्वादशी 24	त्रयोदशी 25	चतुर्दशी 26	अमावस 27
जेष्ठ सुदि प्रतिपदा 28	द्वितीया 29 रंभाव्रत	तृतीया 30 महाराणा प्रताप जयंति	चतुर्थी 31 अर्जुनदेव शहीद दिन			

दयानन्दविद् - १८३

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

JUNE - 2006

ज्येष्ठ/आषाढ-२०६३

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक्र शनि

पंचमी

1

(पुष्य नक्षत्र)

अरण्य षष्ठी

2

सप्तमी

3

अष्टमी

4

नवमी

5

दशमी

6

निर्जलाएकादशी

7

द्वादशी

8

त्रयोदशी

9

चतुर्दशी

10

पूर्णिमा

11

आषाढ सुदी प्रतिपदा

12

गुरुगोविंदसिंह
जयति

द्वितीया

13

तृतीया

14

चतुर्थी

15

पंचमी

16

षष्ठी

17

सप्तमी

18

अष्टमी

19

दशमी

20

योगिनी एकादशी

21

(वर्षाऋतुआरंभ)

द्वादशी

22

(दक्षिणायन आरंभ)

त्रयोदशी

23

चतुर्दशी

24

अमावस

25

आषाढ सुदी प्रतिपदा

26

(कच्छी हालारी)
नूतनवर्ष

द्वितीया

27

रथयात्रा

तृतीया

28

चतुर्थी

29

पंचमी

30

[10]

दयानन्दाब्द - १८३

Digitized by eGangotri Samaj Foundation Chennai and eGangotri

JULY - 2006

आषाढ/श्रावण-२०६३

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
पंचमी 30	षष्ठी 31					षष्ठी 1
षष्ठी 2	सप्तमी 3	अष्टमी 4	भदली नवमी 5	दशमी 6	देवशयनी एकादशी 7	द्वादशी 8
त्रयोदशी 9	चतुर्दशी 10	गुरुपूर्णिमा 11	श्रावण यदि द्वितीया 12	तृतीया 13	चतुर्थी 14	पंचमी 15
षष्ठी 16	सप्तमी 17	अष्टमी 18	नवमी 19	दशमी 20	काभिका एकादशी 21	द्वादशी 22
त्रयोदशी 23	चतुर्दशी 24 सोमवती अमास (दियासो)	अमावस 25	श्रावण यदि प्रतिपदा 26	द्वितीया 27	हरियाली तृतीया 28	चतुर्थी 29

दयानन्दवर्मा - १८६३

Samaj Foundation Chennai and eGangotri

श्रावण/भाद्रपद-२०६३

AUGUST - 2006

रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक्र शनि

		सप्तमी 1 तुलसीदास जयंति	अष्टमी 2	नवमी 3 बकुला	दशमी 4	एकादशी 5 पुनर्दा
षष्ठी 6 जीवन्ति पूजा	त्रयोदशी 7	चतुर्दशी 8	पूर्णिमा 9 स्वाध्याय श्रावणी	भाद्रपद सुदि प्रणिपदा 10	द्वितीया 11	चौथी 12
नागपंचमी 13	षष्ठी 14	शीतलासप्तमी 15 स्वातंत्र्य दिन	जन्माष्टमी 16	नवमी 17 नंदमहोत्सव (शारद ऋतु आरंभ)	दशमी 18	अजा एकादशी 19
वसु रासा 20 पक्षेती	त्रयोदशी 21	चतुर्दशी 22	अमावस्य 23	भाद्रपद सुदि प्रणिपदा 24	द्वितीया 25	तृतीया 26
केवडा तीज 27 गणेश चतुर्थी	चतुर्थी 28 ऋषिपंचमी संवत्सरी	पंचमी 29	षष्ठी 30	सप्तमी 31 दुर्वाअष्टमी		

दयानन्दाब्द - १८३

SEPTEMBER - 2006

भाद्रपद/आश्विन-२०६३

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
					अष्टमी 1	नवमी 2
दशमी 3	परितोनी एकादशी 4 वामनजयंति	द्वादशी 5	त्रयोदशी 6 अनंत चतुर्दशी	पूर्णिमा 7 (चंद्रग्रहण)	आश्विन वदि प्रतिपदा 8	द्वितीया 9
तृतीया 10	चतुर्थी 11	पंचमी 12	सप्तमी 13	अष्टमी 14	नवमी 15	दशमी 16
एकादशी 17	एकादशी 18	द्वादशी 19	त्रयोदशी 20	चतुर्दशी 21	अमावस 22 (सूर्यग्रहण)	आश्विन सुदि प्रतिपदा 23 नवरात्री प्रारंभ
द्वितीया 24	तृतीया 25	अंगारकी चतुर्थी 26	ललीतापंचमी 27	षष्ठी 28	सप्तमी 29	दुर्गाष्टमी 30

दयानन्दाब्द - १६३

OCTOBER - 2006

आश्विन/कार्तिक-२०६३

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
महानवमी 1	विजयादशमी 2 गांधीजयंति	षाण्मासा एकादशी 3	द्वादशी 4	त्रयोदशी 5	चतुर्दशी 6 शरदपूर्णिमा	पूर्णिमा 7 कार्तिक वदि प्रतिपदा
द्वितीया 8	तृतीया 9	चतुर्थी 10 कत्वा चीय	पंचमी 11	षष्ठी 12 हेमंत ऋतु आरंभ	सप्तमी 13	अष्टमी 14
नवमी 15	दशमी 16	एकादशी 17	द्वादशी 18	धनतेरस 19	कालीचौदश 20	चतुर्दशी / अमावस 21 दिशावली
कार्तिक वदि प्रतिपदा 22 अमावस, अन्नकूट गोवर्धनपूजा	प्रतिपदा 23 नूतन वर्ष	भाईदूज 24	तृतीया 25	चतुर्थी 26	लाभपंचमी 27	षष्ठी 28
सप्तमी 29 जलाशय जयंति	अष्टमी 30	नवमी 31 सरदार पटेल जयंति				

सद्प्रेरणा

यद्यपि आजकाल बहुत से विद्वान् प्रत्येक मतों में हैं। वे पक्षपात छोड़ सर्वतन्त्र सिद्धान्त अर्थात् जो जो बातें सब के अनुकूल सब में सत्य हैं उनका ग्रहण और जो एक दूसरे से विरुद्ध बातें हैं उनका त्याग कर परस्पर प्रीति से वर्तें वतावें तो जगत् का पूर्ण हित होवें। क्योंकि विद्वानों के विरोध से अविद्वानों में विरोध बढ़ कर अनेक-विध दुःखों की वृद्धि और सुखों की हानि होती है। इस हानि ने जो कि स्वार्थी मनुष्यों की प्रिय है सब मनुष्यों को दुःख सागर में डूबा दिया है।

- महर्षि दयानन्द सरस्वती

ओ३म्

ओ३म् के अन्दर सब से बड़ी विशेषता तो यह है कि यही एक ऐसा नाम है जिसको मूक-गुंगा व्यक्ति भी बोल सकता है। किन्तु ओ३म् के अतिरिक्त राम, कृष्णा, ईश्वर, अल्लाह, खुदा आदि किसी भी नाम के द्वारा गुंगा व्यक्ति ईश्वर का भजन नहीं कर सकता। क्योंकि वह उनका उच्चारण करने में असमर्थ है। ओ३म् की दूसरी विशेषता यह है संसार में तीन ही पदार्थ हैं जिनको ईश्वर, जीव और प्रकृति कहते हैं। ओ३म् के अन्दर भी तीन मात्राएँ हैं अकार, उकार, मकार - यह अपनी अकार नाम की मात्रा से ईश्वर प्रकृति का ठीक २ ज्ञान कराता है। ओ३म् की तीसरी विशेषता यह है - जैसे ईश्वर सर्व व्यापक है वैसे ही ओ३म् भी ओंकार के रूप में सर्व व्यापक है। ओंकार की सहायता के बिना किसी भी अक्षर का उच्चारण करना सम्भव नहीं। जैसे शरीर में प्राण सब क्रियाओं को पूर्ण करता है। वैसे ही ओंकार स्वतन्त्र स्वर है जो सदा चालू रहता है इसी की सहायता से अन्य स्वर उत्पन्न होते हैं इसी की सहायता से सब अक्षर व्यक्त होते हैं। सर्वरक्षक, सर्वव्यापक, सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान, पापनाशक आदि अनेक अर्थ ओ३म् के होते हैं जिनका विस्तार से वर्णन करने के लिए एक स्वतन्त्र ग्रन्थ की आवश्यकता है।

स्वर्णिम-सूत्र

- धन से भोजन खरीद सकते हैं - भूख नहीं ।
धन से मूर्ति खरीद सकते हैं - भगवान नहीं ।
धन से बिस्तर खरीद सकते हैं - निद्रा नहीं ।
धन से चश्मे खरीद सकते हैं - दृष्टि नहीं ।
धन से मनुष्य खरीद सकते हैं - वफादारी नहीं ।
धन से दवाई खरीद सकते हैं - स्वास्थ्य नहीं ।
धन से पुस्तक खरीद सकते हैं - ज्ञान नहीं ।
धन से कलम खरीद सकते हैं - विचार नहीं ।
धन से नौकर खरीद सकते हैं - सेवक नहीं ।
धन से स्त्री खरीद सकते हैं - पति नहीं ।
धन से शस्त्र खरीद सकते हैं - हिम्मत नहीं ।
धन से मजबूरी खरीद सकते हैं - खुदारी नहीं ।
धन से सुख-साधन खरीद सकते हैं - स्वास्थ्य नहीं ।

आर्य समाज की प्रवृत्तियाँ

- ❖ दैनिक यज्ञ एवं सत्संग प्रतिदिन प्रातः ७.३० से ८.३०
- ❖ साप्ताहिक सत्संग प्रति रविवार - प्रातः ८ से १०.३०
- ❖ विवाह, वास्तु, नामकरण, वैदिक यज्ञ आदि का आयोजन।
- ❖ कम खर्च में विवाह - संस्कार करवाने की व्यवस्था।
- ❖ हवन-यज्ञ का सामान एवं वैदिक साहित्य का वितरण।
- ❖ वैदिक पर्वों को परम्परागत रूप से मनाना।
- ❖ वाचनालय एवं पुस्तकालय।
- ❖ होमियोपैथिक दवाखाना। एल्योपैथिक दवाखाना।

■ निवेदन ■

- दैनिक एवं साप्ताहिक सत्संगों में पधारने का सभी को हार्दिक आमन्त्रण है।
- शुभ अवसरों पर मन्दिर में दान अवश्य दें।

■ कार्यालय का समय : ■

प्रातः ७.०० से १७.०० तक

सम्पादनकर्ता : पं. प्रकाशचन्द्र आचार्य